कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से मिली 23 लाख रुपए की वित्तीय सहायता

# बंजर भूमि में भी बनी रहेगी नमी, किसान के बेटे ने ईजाद की तकनीक

रामबाबू विजयवर्गीय
patrika.com

**पीपलू (टोंक).** पानी की कमी से जूझते राजस्थान के किसान अब जैविक कचरे से अपने बंजर खेतों को लम्बे समय तक नम बनाए रख फसल को सूखने से बचा सकते हैं। पीपलू क्षेत्र के मौलीपुरा (फजलपुरा) के युवा बुद्धिप्रकाश ने अपने साथियों के साथ वेस्ट मेटेरियल से वाटर रिटेंशन तकनीक ईजाद की है। इसे सूखी और बंजर जमीन में प्रयोग करने पर मृदा में लम्बे समय तक नमी बनी रहती है। और फसल सूखती नहीं है। इससे कम पानी में अधिक पैदावार लेने में सहायता मिलती है। किसान अब कम पानी तथा कम खाद में आर्गेनिक खेती कर सकते हैं। उनकी इस तकनीक ने जापान तक धूम मचाई है। चार वर्षों से इसपर कार्य कर रहे बुद्धि प्रकाश को किसान कल्याण मंत्रालय से 23 लाख रुपए की वित्तीय सहायता मिली है। इससे वे स्टार्टअप की शुरुआत कर रहे हैं। वे पिछले एक साल से जापान सरकार के साथ मिल कर काम कर रहे हैं तथा जापान में भी स्टार्टअप की शुरुआत की है। उन्हें इसके लिए 31 राष्ट्रीय तथा 8 अंतर्राराष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं। वे अगले एक साल तक राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जयपुर के साथ काम करेंगे। यह रिटेंशन जैविक कचरे (बायो-वेस्ट) से बना है, जिसमें फलों के छिलके होते हैं, जिन्हें जूस बनाने वाले कारखाने अक्सर फेंक देते हैं। यह पाउडर बाजार में मिलने वाली किसी भी पॉलीमर से बहुत सस्ता है। प्रयुक्त सभी चीजें पर्यावरण के अनुकूल हैं और फसलों के लिए उर्वरक का काम भी करते हैं।

बुद्धिप्रकाश को चेक सौंपते किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारी।

## पिता ने ब्याज पर पैसे उधार लेकर पढ़ाया

पिता रामगोपाल गुर्जर ने बुद्धिप्रकाश के उच्च अध्ययन के लिए कर्जा लिया। बुद्धिप्रकाश ने उदयपुर के महाराणा प्रताप कॉलेज में बीटेक किया। बुद्धिप्रकाश का छोटा भाई हरिराम 2 वर्ष से सेना में तैनात है।